यूपी में निजी कंपनियों की तरह सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनियों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की राह खुलने जा रही

सरकारी रक्षा कंपनियों को यूपी में सस्ती जमीन

तैयारी

650 करोड़ का निवेश भारत इलेक्ट्रॉनिक्स यूपी में करेगी

300 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार इसके जरिए मिलेगा

■ अजित खरे

लखनऊ। यूपी में सार्वजनिक रक्षा उपक्रमों को भी निजी कंपनियों की तरह वित्तीय प्रोत्साहन मिलने की राह खुलने जा रही है। इस मुहिम के तहत भारत सरकार की नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड चित्रकूट में 650 करोड़ की निवेश परियोजना लाएगी। इसमें रक्षा क्षेत्र के उपयोग के लिए उन्नत किस्म के इलेक्ट्रानिक उत्पाद बनेंगे। इसके जरिए 300 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड को वित्तीय प्रोत्साहन मिलने के बाद अन्य सार्वजनिक रक्षा कंपनियां भी यहां निवेश को प्रोत्साहित होंगी।

असल में रक्षा मंत्रालय के तहत भारत इलेक्ट्रानिक्स ने यूपीडा के उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में निवेश करने की मंशा जाहिर की है। साथ ही जमीन पर 40 से 50 प्रतिशत कैपिटल सबसिडी देने का अनुरोध किया है। इन्वेस्ट यूपी पहले से नवरत्न श्रेणी वाली सार्वजनिक कंपनियों के जरिए निवेश लाने की मुहिम में लगा है। इसके लिए इन कंपनियों के उच्चाधिकारियों को एक मंच पर लाकर निवेश सम्मेलन की तैयारी की जा रही है। अभी तक योगी सरकार चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कर चुकी है। इनको अत्याधिक सफलता मिली है। इनके जरिए प्रदेश में लाखों करोड़ रुपये का निवेश और हजारों लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रोजगार मिल चुका है। नवंबर में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी है।

यह है मुश्किल, कैबिनेट से निकलेगा समाधान

असल में यूपी की उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस तथा रक्षा इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2024 में निजी रक्षा कंपनियों को राज्य की ओर से विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान है लेकिन सरकारी कंपनियों को इस तरह के प्रोत्साहन देने को लेकर अस्पष्टता है। हालांकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को परीक्षण सुविधाएं, प्रयोगशालाएं आदि बनाने के लिए पट्टे आधार पर भूमि उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान जरूर है।

इसलिए पिछले दिनों मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई यूपीडा बोर्ड की बैठक में इस कंपनी की मांग पर विचार किया गया। उपरोक्त नीति के तहत वित्तीय प्रोत्साहन देने के लिए औद्योगिक विकास विभाग के जरिए कैबिनेट भेजने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यूपीडा का कहना है कि सार्वजनिक रक्षा कंपनियों के निवेश करने से उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे राज्य की आर्थिक वृद्धि होगी। औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती से रक्षा औद्योगिक गलियारे में अतिरिक्त निवेश बढ़ोतरी होगी।

इन्वेस्ट यूपी प्रदेश में निवेश लाने की मुहिम में जुटा

जापानी कंपनी बनाएगी क्षमता केंद्र

■ ओसाका में कौशल विकास तकनीकी सहयोग पर चर्चा

■ यूपी के बुनियादी ढांचे ने टीईएल को किया आकर्षित

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की मौजूदगी में यूपी में कैपेबिलिटी सेंटर बनाने पर चर्चा हुई।

ओसाका/लखनऊ- हिटी। सेमीकंडक्टर निर्माण की दिग्गज जापानी कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड (टीईएल) यूपी में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाएगी। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व यूपी प्रतिनिधिमंडल ने टीईएल के कॉर्पोरेट ऑफिसर एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष (ग्लोबल सेल्स डिवीजन और इंडिया बिजनेस) ताकेशी ओकुबो के साथ मुलाकात की। लंबी चर्चा में इस मुद्दे पर सहमति बनी।

बैठक में नोएडा क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम, विनिर्माण, कौशल विकास और उत्तर प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (वैश्विक क्षमता केंद्रों-जीसीसी) स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार किया गया। टीईएल ने उत्तर प्रदेश के कुशल कार्यबल व प्रतिभाशाली मानव संसाधन, मजबूत बुनियादी ढांचे और निवेश अनुकूल नीतियों की सराहना करते हुए राज्य को जीसीसी के लिए उपयुक्त स्थान बताया। बैठक में भारत सरकार के टोक्यो स्थित दूतावास की आर्थिक एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती, प्रमुख सचिव आलोक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह तथा विशेष सचिव विपिन कुमार जैन भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने ओसाका प्रीफेक्चुरल असेंबली का दौरा किया और उपाध्यक्ष किडा काओरू तथा अध्यक्ष किन्जो कात्सुनोरी के साथ सकारात्मक बैठक की। विश्व एक्सपो 2025, ओसाका में, पुर्तगाल के गुआर्डा विश्वविद्यालय (पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट) ने भारतीय संस्थानों के साथ छात्र आदान-प्रदान, संयुक्त शोध पर रुचि जाहिर की।